

बागी वि. (अर.) शासन या प्रभुसत्ता के खिलाफ बगावत करने वाला, विद्रोही, आज्ञा न मानने वाला, अवज्ञाकारी, सरकश।

बाघंबर पुं. (तद्.) 1. मृत बाघ की खाल, व्याघ्रचर्म, व्याघ्रंबर 2. एक तरह का रोयेंदार कंबल।

बाघ पुं. (तद्.) सिंह की प्रजाति का पर सिंह से कुछ छोटा जंगली हिंसक पशु।

बाघी स्त्री. (तद्.) 1. मादा बाघ, व्याघ्री, बाघिन 2. स्त्री. एक प्रकार का फोड़ा, जो गर्मी या आतश के रोगियों में प्रायः जाँघ के जोड़ पर होता है।

बाछा पुं. (तद्.) गाय का बच्चा, बछड़ा, सामान्यतया किसी भी प्राणी का शिशु, बच्चा, बालक, लड़का, वत्स।

बाज़ पुं. (फा.) 1. एक शिकारी पक्षी जिसकी चोंच बड़ी होती है, रंग प्रायः काला और सफेद होता है तथा वह बड़ी तेजी से अपने शिकार पर झपटता है, श्येन 2. तीर के पीछे लगा हुआ पर 3. एक प्रत्यय- करने वाला, बनाने वाला उदा. बहाने बाज, हुज्जत बाज वि. (अर.) व्यसनी उदा. नशेबाज, पतंग बाज, जुएबाज।

बाज वि. (तद्.) 1. वर्जित, वर्ज्य, कोई-कोई, थोड़े कुछ, विशिष्ट क्रि.वि. (देश.) 1. बिना, छोड़कर, मना होना, वंचित, रहित पुं. (तद्.) 1. वाद्य, बाजा, वाद्य संगीत में बजाने की रीति, बजने या बाजे का शब्द 2. वाजि, अश्व, घोड़ा पु. (देश.) जुलाहों द्वारा प्रयुक्त ताने के सूतों के बीच में दी जाने वाली लकड़ी।

बाजरा पुं. (तद्.) वर्जरी, बाजड़ा, एक प्रकार का छोटा अनाज जिसके आटे की रोटी बनती है अथवा जो उबालकर या भूनकर भी खाया जाता है, बाजरे का पौधा।

बाजा पुं. (तद्.) वाद्य, गाने आदि में बजाने का एक उपकरण, ताल, वाद्य-यंत्र।

बाजाब्ला क्रि.वि. (अर.) नियमपूर्वक, कानूनी तौर पर, जाब्ले या नियम अनुसार, विधिपूर्वक, बाकायदा।

बाज़ार पुं. (फा.) वह स्थान जहाँ बिक्री होती हो, हाट, मंडी, पैंठ।

बाजारू वि. (फा.) 1. बाज़ारी, बाज़ार-संबंधी, बाज़ार का 2. जो उत्तम प्रकार का न हो, साधारण, घटिया, 3. बाज़ार में होने वाला, जो बाज़ार में प्रचलित हो 4. बिक्री या मजदूरी के लिए बाज़ार में बैठने वाला, प्रायः क्षुद्र लोगों द्वारा व्यवहृत, जो शिष्ट समाज में प्रचलित या प्रयुक्त न हो, अशिष्ट।

बाजी पुं. (तद्.) 1. बाजि, अश्व, घोड़ा, बाण 2. वाद्य बजाने का काम करने वाला, बजनिया वि. (देश.) चलने वाला, जाने वाला, शर्त, बदान, दाँव अ.क्रि. (देश.) बजना, बाजना उदा. दुंदुभी बाजी स्त्री. (देश.) बड़ी बहन।

बाजीगर पुं. (फा.) ऐंद्रजालिक, जादूगर, नट।

बाजू पुं. (फा.) 1. भुजा, बाहु, बाँह 2. लाक्ष. सदैव सहायक, और, तरफ 3. बाजूबंद नामक आभूषण, भुजबंध, केयूर 4. पक्ष, चिड़िया का डैना।

बाजूबंद पुं. (फा.) भुजा/बाँह में पहनने का एक आभूषण, भुजबंध, केयूर, अंगद, बाजू, विजायठ, भुजबंध।

बाट पुं. (तद्.) 1. पत्थर, लोहे आदि का टुकड़ा जो वस्तुओं को तोलने के काम में आता है, बटखर, बटखरा, वस्तुओं को तोलने में प्रयुक्त लोहे का मानक बटखरा, भार 2. सिल पर मसाले आदि पीसने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला पत्थर का टुकड़ा या बटना, बटनी, लोढ़ा, बट्टा, पिसाई, पीसने की क्रिया/भाव 3. बल पुं. (तद्.) वंटन, धन-संपत्ति आदि का विभाजन 4. बाँट, साझापन 5. मार्ग, रास्ता, प्रतीक्षा, आसरा स्त्री. (देश.) ऐँठना, डोरी या रस्सी आदि को बटने की क्रिया या भाव, डोरी/रस्सी आदि को बटने में पड़ी हुई ऐँठन

बाड़ स्त्री. (तद्.) घर/फसल आदि की सुरक्षा के लिए काँटों या बाँसों आदि से बनाया हुआ घेरा, खुला हुआ कुछ बड़ा स्थान, बाड़ा, बाँसों का टट्टर।